भारत-ब्रिटेन में व्यापार समझौता

एसईजेड विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की

समुद्री उत्पाद निर्यात क्षेत्र के लिए अवसरों पर प्रस्तुति दी

कोच्चि, 19 अक्टूबर. समुद्री उत्पाद निर्यात संवर्धन प्राधिकरण (एमपीईडीए) के अध्यक्ष डी.वी. स्वामी ने भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) को देश के समुद्री निर्यात क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताते हुए कहा है कि इससे उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने के लिए रणनीतियाँ अपनाना आवश्यक है.

उन्होंने कहा कि यह समझौता मूल्यवर्धन और कौशल संवर्धन का समझौता है. स्वामी ने पिछले दो दिन में चेन्नई और विशाखापत्तनम में समुद्री क्षेत्र के लिए इस समझौते के लाभों और अवसरों पर एमपीईडीए द्वारा आयोजित हितधारक जागरूकता बैठकों में इस मुद्दे पर चर्चा की. इन बैठकों में एमपीईडीए के संयुक्त निदेशक अनिल कुमार पी. ने सीईटीए की मुख्य विशेषताओं और समुद्री उत्पाद निर्यात क्षेत्र के लिए अवसरों पर प्रस्तुति दी. एमपीईडीए की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार चेन्नई में आयोजित एक बैठक में, एमपीईजेड-एसईजेड विकास आयुक्त एलेक्स पॉल मेनन ने तमिलनाडु में मरीन एक्वापार्क एसईजेड विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की. हितधारकों ने भारत के समुद्री उत्पाद निर्यात क्षेत्र के अवसरों पर अपने विचार साझा किए.

भारतीय समुद्री खाद्य पदार्थों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी

बैठकों में बताया गया कि इस समझौते के अनुसार, भारत के 99 प्रतिशत उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में शून्य-शुल्क पर प्रवेश मिलेगा जिससे वहां के बाजार में भारतीय समुद्री खाद्य पदार्थों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी. एपमीईडीए प्रमुख निर्यात वस्तुएँ, जैसे वन्नामेई श्रिंप, प्रशीतित स्क्विड, लॉबस्टर ब्लैक टाइगर श्रिंप के निर्यात को लाभ होने की उम्मीद है .भारत ने 2024-25 में 7 .45 अरब डॉलर मूल्य के समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात किया, जिनमें श्रिंप, मछली और कटलफिश शीर्ष श्रेणियों में शामिल थे .

50 हजार में टॉप एआई फीचर वाले स्मार्टफोन्स

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर. त्योहारी सीजन में अगर आप नया स्मार्टफोन खरीदने की सोच रहे हैं और आपका बजट 50 हजार रुपए तक है, तो यह समय बिल्कुल परफेक्ट है. बाजार में अब इतने बजट में आपको एप्पल , सैमसंग, व गूगल जैसी प्रीमियम कंपनियों के स्मार्टफोन्स मिल रहे हैं. आई फोन 15 से लेकर समसंग गैलेक्सी एस-24 तक ये स्मार्टफोन न केवल शानदार कैमरा और दमदार बैटरी के साथ आते हैं, बल्कि इनमें मिलते हैं आईफोन फीचर्स, सुपरफास्ट चिप व 7 साल तक के सॉफ्टवेयर अपडेट्स भी. दिवाली का सीजन है और स्मार्टफोन मार्केट में जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है. इस साल 50,000 के बजट में प्रीमियम ब्रांड्स के फ्लैगशिप लेवल स्मार्टफोन्स खरीदे जा सकते हैं.

भारत का ऑटो निर्यात तिमाही में 26% बढ़ा

विदेशी बाजारों में मांग तेज, यात्री और दोपहिया वाहनों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली,19 अक्टूबर. भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग विदेशी बाजारों में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है. जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में देश का वाहन निर्यात 26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16.85 लाख यूनिट्स पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में यह 13.35 लाख यूनिट्स था. यह जानकारी सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स ने साझा की है.

सियाम के आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 2,41,554 यूनिट्स हो गया. इस दौरान कारों का निर्यात 20.5 प्रतिशत बढ़कर 1,25,513 यूनिट्स तक पहुंचा, जबकि यूटिलिटी वाहन 26 प्रतिशत बढ़कर 1,13,374 यूनिट्स पर पहुंचे. वैन निर्यात में भी 39 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह 2,667 यूनिट्स रहा.

कार कंपनियों में मारुति सुजुकी इंडिया ने 2,05,763 यूनिट्स के निर्यात के साथ सबसे आगे रही, जबकि हुंडई मोटर इंडिया 99,540 यूनिट्स के साथ दूसरे स्थान पर रही. दोपहिया वाहनों का निर्यात भी 25 प्रतिशत बढ़कर 12,95,468 यूनिट्स हो गया. मोटरसाइकिलों का निर्यात 27 प्रतिशत बढ़कर 11,08,109 यूनिट्स रहा, जबकि स्कूटर निर्यात 12 प्रतिशत बढ़कर 1,77,957 यूनिट्स दर्ज किया गया. मो-पेड वाहनों का निर्यात चार गुना से अधिक बढ़कर 9,402 यूनिट्स हो गया, जो पिछले साल 2,028 यूनिट्स था. तिपहिया वाहनों का निर्यात भी 51 प्रतिशत बढ़कर 1,23,480 यूनिट्स पर पहुंचा.

सोने की कीमत में उछाल एक हफ्ते में 5780 बढ़ा

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर. दिवाली का त्योहार खुशियों के साथ-साथ निवेश के भी नए अवसर लेकर आता है. इस बार गोल्ड मार्केट में जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है.

पिछले एक हफ्ते में जहां 24 कैरेट सोना 5780 महंगा हुआ, वहीं पिछले साल की तुलना में इसकी कीमत 51,000 बढ़ चुकी है. ऐसे में लोग सोच में हैं — क्या यह सोने में निवेश का सही समय है या कीमतें और गिरेंगी ?

भारत में त्योहारों का मौसम केवल रोशनी और मिठाइयों का नहीं, बल्कि निवेश का भी समय होता है, और जब बात धनतेरस की हो, तो सोने की चमक और भी बढ़ जाती है. साल 2025 की दिवाली से ठीक पहले सोने की कीमतों ने रफ्तार पकड़ ली है. 24 कैरेट गोल्ड जहां 5780 प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 1,31,010 तक पहुंच चुका है, वहीं 22 कैरेट सोना ?5300 की तेजी के साथ रिकॉर्ड स्तर पर आ गया है. दिल्ली सर्राफा बाजार की बात करें तो 18 अक्टूबर को धनतेरस के दिन सोने की कीमतों में एक असामान्य गिरावट दर्ज की गई. 24 कैरेट सोना 2400 गिरकर 1,32,400 प्रति 10 ग्राम पर आ गया.

दो स्मॉलकैप स्टॉक्स ने कर दिया निवेशकों को मालामाल

मुंबई, 19 अक्टूबर. शेयर बाजार में अगर सही समय पर सही स्टॉक में निवेश किया जाए तो लाखों की कमाई कुछ ही सालों में मुमकिन है. हाल ही में दो स्मॉलकैप कंपनियों ने इस बात को फिर से साबित कर दिया है. डिफेंस सेक्टर से 28.08 करोड़ का नया ऑर्डर मिला है, और इसका स्टॉक बीते 5 सालों में 10,000 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुका है. दूसरी ओर, शेयरों ने सिर्फ 5 महीने में 900 फीसदी का रिटर्न दिया है और कंपनी ने 5.1 अनुपात में बोनस शेयर देने की घोषणा की है. इन खबरों के बाद दोनों कंपनियां निवेशकों के रडार पर हैं और स्टॉक्स में हलचल बढ़ गई है. जानिए इन दो स्टॉक्स की अब तक की परफॉर्मेंस और भविष्य की संभावनाएं है.

भारत ऊर्जा में आत्मनिर्भर बन रहा : पुरी

99% अपतटीय क्षेत्र तेल और गैस खोज के लिए खोला गया

कच्चे तेल के आयात बास्केट को 40+ देशों तक बढ़ाया

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर. पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को कहा कि सरकार ने देश के 99 प्रतिशत अपतटीय क्षेत्र को तेल और गैस खोज के लिए खोल दिया है. उन्होंने यह भी बताया कि कच्चे तेल के आयात बास्केट को पहले के 27 देशों से बढ़ाकर 40 से अधिक देशों तक कर दिया गया है.

पुरी ने बताया कि यह कदम सरकार की चार-आयामी ऊर्जा रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य ऊर्जा को सुरक्षित, सस्ती और टिकाऊ बनाना है. केंद्रीय मंत्री के अनुसार भारत की ऊर्जा यात्रा चार मजबूत स्तंभों पर आधारित है - कच्चे तेल के आयात में विविधता, इनोवेशन, घरेलू तेल और गैस खोज में वृद्धि, क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन और पीएम उज्जवला योजना. उज्जवला योजना के तहत अब तक 10.60 करोड़ गरीब परिवारों को सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए गए हैं.

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत तेल और गैस का एक प्रमुख आयातक है. मंत्रालय ने कहा कि स्थिर ऊर्जा मूल्य और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना ऊर्जा नीति के दो मुख्य लक्ष्य हैं. इसमें ऊर्जा स्रोतों का व्यापक आधार तैयार करना और बाजार की स्थितियों के अनुसार आयात में विविधीकरण करना शामिल है.

पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत स्वच्छ, मजबूत और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य का निर्माण कर रहा है . उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारत की आयात नीति पूरी तरह से भारतीय उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है .

खुदरा महंगाई में आ सकती है बड़ी गिरावट : रिपोर्ट

अक्टूबर में सीपीआई मुद्रास्फीति 0.50% से कम रहने की संभावना

खाद्य मुद्रास्फीति नकारात्मक क्षेत्र में बनी रह सकती है

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर.भारत की खुदरा मुद्रास्फीति में अक्टूबर माह के दौरान और गिरावट आने की संभावना है. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, उच्च आधार प्रभाव, खाद्य उत्पादों की कीमतों में नरमी और हाल ही में किए गए जीएसटी सुधार.बैंक ने अपने आकलन में कहा है कि आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति का दबाव धीरे-धीरे ही बढ़ेगा. बैंक का अनुमान है कि अक्टूबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति के आंकड़े 0.50 प्रतिशत से नीचे रह सकते हैं.

रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि खाद्य मुद्रास्फीति में तेजी से गिरावट आएगी और सर्दियों के महीनों के दौरान यह नकारात्मक क्षेत्र में बनी रह सकती है, क्योंकि हाल की बाढ़ का प्रभाव सीमित रहा है. उल्लेखनीय है कि खाद्य उत्पादों की कीमतों में कमी और जीएसटी दरों में कटौती के कारण मुद्रास्फीति पहले ही आठ साल के निचले स्तर पर आ चुकी है. इस महत्वपूर्ण रुझान को देखते हुए, यूनियन बैंक ने वित्त वर्ष 26 के लिए अपने मुद्रास्फीति पूर्वानुमान को 3.1 प्रतिशत के पूर्व अनुमान से घटाकर 2.6 प्रतिशत कर दिया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि मुद्रास्फीति वर्ष के अधिकांश समय आरबीआई की लक्ष्य सीमा से नीचे रहने की संभावना है.

सितंबर के आंकड़े

उपभोक्ता मूल्य सूचकांकमें सितंबर में पिछले महीने की तुलना में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई थी, जो मूल्य वृद्धि में व्यापक नरमी का संकेत देता है .इस दौरान उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक -2 .28 प्रतिशत रहा, जिससे पता चलता है कि जून 2025 से खाद्य कीमतों में लगातार गिरावट आ रही है .आंकड़ों से यह भी स्पष्ट हुआ कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्रास्फीति 1 .07 प्रतिशत रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह थोड़ी अधिक 2 .04 प्रतिशत दर्ज की गई .

दालें नरम, खाद्य तेलों में घटबढ़

गेहूं की कीमतों में भी मजबूती देखी गयी

नयी दिल्ली, 19 अक्टूबर.घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव में तेजी रही. गेहूं की कीमतों में भी मजबूती देखी गयी. वहीं, चीनी और दालों के भाव टूट गये जबकि खाद्य तेलों में मिश्रित रुख रहा. घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 60 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,834.21 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी.

गेहूं भी 11 रुपये महंगा होकर 2,860.50 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका. आटे की कीमत 3,312.81 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही. बीते सप्ताह सरसों तेल की औसत कीमत 74 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी. पाम ऑयल में तीन रुपये की तेजी रही. मूंगफली तेल 90 रुपये सोया तेल 85 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया. सूरजमखी तेल की कीमत कमोबेश स्थिर रहा. वनस्पति की कीमत 63 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी.

खुदरा बिक्री में 25 फीसदी का उछाल

नईदिल्ली. सरकार द्वारा सितंबर 2025 में लागू किए गए जीएसटी सुधारों का प्रभाव बाजार में साफ दिख रहा है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस वार्ता में बताया कि नवरात्रि के दौरान खुदरा कारोबार में 20-25 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई है. सरकार का कहना है कि जीएसटी स्लैब्स को सरल कर 4 से घटाकर 2 कर दिया गया, जिससे रोजमर्रा की चीजों से लेकर उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं जैसे टीवी, फ्रिज, ऑटोमोबाइल्स तक की कीमतों में गिरावट आई.

आईडीबीआई बैंक का लाभ 98 प्रतिशत बढ़कर 3,627 करोड़

मुंबई 19 अक्टूबर. आईडीबीआई बैंक को चालू वित्त वर्ष की 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही में 3,627 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही से 98 प्रतिशत अधिक है.

बैंक ने शनिवार को जारी वित्तीय परिणामों में बताया कि तिमाही के दौरान उसका परिचालन लाभ 17 प्रतिशत बढ़कर 3,523 करोड़ रुपये पर और कुल कारोबार 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 5,33,730 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. बैंक के पास कुल जमा राशि 3,03,510 करोड़ रुपये रही जो नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. यह पहली बार तीन लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा है. वहीं बैंक द्वारा दिये गये ऋण की शुद्ध राशि 15 प्रतिशत बढ़कर 2,30,220 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी. सकल एनपीए 103 आधार अंक घटकर 2.65 प्रतिशत रह गया. शुद्ध एनपीए 0.21 प्रतिशत रहा. बैंक के पास बचत खातों और जमा खातों में पड़ी औसत राशि का अनुपात 45.81 प्रतिशत रहा.

समाचार विशेष

भाजपा ने सेट की सोशल इंजीनियरिंग

सवर्ण-दलित संतुलन और 13 फीसदी महिला शक्ति

पटना. बिहार चुनाव के लिए भाजपा ने अपने 101 प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी है, जिसमें राजनीतिक बिसात पर एक बड़ा दांव खेला गया है. पार्टी ने इस सूची के माध्यम से जातीय और सामाजिक समीकरणों को साधने की पूरी कोशिश की है.

लिस्ट में जहां आधे सवर्ण चेहरे हैं, वहीं आधे टिकट पिछड़ा, अतिपिछड़ा और दलित समुदाय के उम्मीदवारों को दिए गए हैं. सूची में 13 फीसदी महिलाओं को भी जगह मिली है, जो पार्टी की समावेशी रणनीति को दर्शाती है. टिकट वितरण ने कई बड़े चेहरों को बाहर का रास्ता दिखाया है, तो वहीं कई चर्चित हस्तियों को मैदान में उतारा गया है. भाजपा के द्वारा टिकट का वितरण और उम्मीदवारों का चुनाव बड़ी ही चतुरई के हिसाब से किया गया है. पार्टी ने सारे सूत्रों को सम्भालने के प्रयास किए है. दलित, सवर्ण, पिछड़ा व अतिपिछड़ा के साथ भाजपा ने महिलाओं की भागीदारी को एक भूमिका देने की कोशिश की है. सूची की गहराई में जाएं तो, करीब 13 महिलाएं मैदान में हैं.

विरासत और वापसी का समीकरण

भाजपा ने कई राजनीतिक परिवारों से जुड़े सदस्यों को भी मौका दिया है. पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह के बेटे त्रिविक्रम सिंह, विधायक स्वर्णा सिंह के पति सुजीत सिंह और पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी रमा निषाद को टिकट देकर पार्टी ने सियासी विरासत को तरजीह दी है. इसके अलावा, दो पूर्व सांसदों को भी चुनाव मैदान में उतारा गया है- दानापुर से रामकृपाल यादव और सीतामढ़ी से सुनील कुमार पिंटू. ये सभी फैसले यह दर्शाते हैं कि पार्टी ने टिकट वितरण में जोखिम के साथ-साथ अनुभव और परिवारवाद के समीकरणों का भी सावधानीपूर्वक मिश्रण किया है .

बीएमसी चुनाव में कांग्रेस की दुविधा

मुंबई. देश के सबसे धनी नगर निकाय बृहन्न मुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी का चुनाव होने वाला है. कई बरसों तक स्थगित रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अगले महीने जनवरी या फरवरी में चुनाव होना है.

यह चुनाव वैसे तो सभी पार्टियों के लिए बहुत अहम होता है लेकिन ठाकरे परिवार की जान बसती है बीएमसी में. शिव सेना की बनाई पार्टी का मूल आधार ही बीएमसी और मुंबई के पार्षद हैं. तभी उद्धव ठाकरे ने बहुत पहले से चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है. वे कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी के साथ महाविकास अघाड़ी में शामिल हैं. लेकिन उद्धव ठाकरे कांग्रेस और एनसीपी को छोड़ कर अपनी अलग राजनीति कर रहे हैं. उद्धव ने बीएमसी चुनाव के लिए बरसों की दुश्मनी भुला कर अपने चचेरे भाई राज ठाकरे से दोस्ताना बनाया है. दोनों के बीच दो बार सीटों को लेकर लंबी बैठक हो गई है और मंगलवार को जब महाराष्ट्र की पार्टियां बीएमसी और दूसरे निकायों के चुनावों के संबंध में प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी से मिलने गए तो उद्धव अपनी गाड़ी में राज ठाकरे को लेकर गए.

बिहार में दिलचस्प हुआ चुनाव

पटना. बिहार सरकार में मंत्री रहे शिवहर के पूर्व सांसद स्व. सीताराम सिंह के दो पुत्रों ने इस बार के विधानसभा चुनाव में दो धाराओं की राजनीति कर जिले के दो विधानसभा मधुबन व ढाका में चुनावी जंग को दिलचस्प बना दिया है. बड़े पुत्र ई. राणा रणधीर सिंह मधुबन से भारतीय जनता पार्टी के विधायक हैं. इस बार भी वो इसी सीट पर भाजपा के ही टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं. ऐसे में एआईएमआईएम के प्रमुख ओवैसी ने उनके छोटे भाई को अपने पाले में लेकर ढाका से भाजपा के खिलाफ उतारकर दो विधानसभा क्षेत्रों की लड़ाई को दिलचस्प बना दिया है.

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा यह सार्वजनिक सूचना दी जाती है कि हमारे मुवक्किल का इरादा सारथी डेवलपर्स, जो एक साझेदारी फर्म है, जिसके पंजीकृत कार्यालय का पता एच-46, निशात कॉलोनी, भोपाल, मध्यप्रदेश, पिन कोड-462003 है तथा जिसका पंजीकरण क्रमांक 01/01/01/0094/20 वर्ष 2020-2021 है, और जिसका प्रतिनिधित्व इसके वर्तमान साझीदार (1) श्री गिरराज कुमार शर्मा, पुत्र श्री रामजी लाल शर्मा तथा (2) श्री गौरव अशोक भारद्वाज, पुत्र श्री अशोक भारद्वाज द्वारा किया जा रहा है, के साथ एक लेनदेन करने का है। जिसके अंतर्गत हमारे मुवक्किल उक्त फर्म से लीजहोल्ड आधार पर लीज्ड संपत्ति लेना चाहते हैं, जो कि एक वाणिज्यिक निर्मित क्षेत्र है, जिसका क्षेत्रफल 1,674 वर्ग मीटर अर्थात 18,018.936 वर्ग फीट (भीतरी दीवार से भीतरी दीवार तक) है और जो संपूर्ण अपर बेसमेंट फ्लोर यूनिट नं. UB 1 ("लीज्ड संपत्ति") के रूप में स्थित है, जो उस भूमि पर निर्मित है जिसका खसरा क्रमांक 18 (कंप्यूटरीकृत खसरा क्रमांक 254/B और 255/B, जो अब खसरा क्रमांक 254/2/1/2 और 255/2/2 के रूप में दर्ज) है, जिसका क्षेत्रफल 4,646.375 वर्ग मीटर अर्थात 50,013.58 वर्ग फीट है, जो कि नगर निगम सीमा के अंतर्गत वार्ड नं. 05 में सिंधु टॉकीज़, बैरागढ़, ग्राम लौखेड़ी, भोपाल-इंदौर मेन रोड, तहसील हुज़ूर, जिला भोपाल, मध्यप्रदेश, पिन कोड 462030 में स्थित है; इस लेनदेन में निम्नलिखित सम्मिलित हैं: (i) भवन के बेसमेंट फ्लोर-1 में स्टैक पार्किंग सहित एक्सक्लूसिव चालीस (40) कार पार्किंग स्पेस तथा "ब्लिंग स्क्वायर" नामक भवन, जिसका नगर निगम कर निर्धारण क्रमांक P000400231 है, के ग्राउंड फ्लोर पर एक्सक्लूसिव सौ (100) दोपहिया वाहन पार्किंग स्थान, (ii) भवन के सामान्य क्षेत्रों में आनुपातिक रूप से अविभाजित अधिकार, (iii) लीज्ड संपत्ति से संबंधित क्षेत्रों के उपयोग, अधिभोग और उपभोग हेतु स्थायी, शाश्वत, पूर्ण, स्वतंत्र, अपरिवर्तनीय और निर्बाध अधिकार, और (iv) वे सभी सुविधाएँ, फ़ैसिलिटी और विनिर्देश जो पारस्परिक सहमति से तय किए गए हैं और जिन्हें लीज्ड संपत्ति से संबद्ध माना गया है।

यदि सरकारी/लोक विभाग, बैंक या वित्तीय संस्थान आदि सहित किसी भी व्यक्ति या कानूनी इकाई का बिक्री, हस्तांतरण, विनिमय, स्वत्वार्पण (असाइनमेंट), वसीयत, रिलीज, त्याग, डिक्री या किसी भी अदालती आदेश, ऋणभार (एंकम्ब्रंस), बंधक (मॉर्गेज), पट्टा (लीज़), धारणाधिकार (लियन), चार्ज, लाइसेंस, उपहार, विरासत, अविभाजित हिस्सा, कब्जा, भोगाधिकार, ट्रस्ट, उत्तरदान, किरायेदारी, उप-किरायेदारी, लीव एंड लाइसेंस, विचाराधीन वाद (लिस-पेंडेंस), विकल्प, पहले इनकार का अधिकार या पूर्वक्रय-अधिकार के अंतर्गत या किसी भी प्रकृति या किसी भी तरह का अथवा किसी भी अनुबंध, विलेख, दस्तावेज़ या पावर ऑफ अटॉर्नी के तहत प्लॉट और/या लीज्ड संपत्ति या उसके किसी भी भाग में किसी भी तरह का कोई अधिकार, हक, दावा, लाभ, मांग या हित शामिल है अथवा किसी भी तरह की कोई आपत्ति है, तो एतद्द्वारा यह अपेक्षित है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 14 (चौदह) दिनों के भीतर दस्तावेजी साक्ष्य की नोटरीकृत/प्रमाणित सत्य प्रतियों के साथ लिखित रूप में नीचे दिए गए पते पर अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें, अन्यथा यह माना जाएगा कि प्लॉट और/या लीज्ड संपत्ति का स्वामित्व स्पष्ट, वैध और विपणन-योग्य है, और किसी के पास प्लॉट और/या लीज्ड संपत्ति पर कोई भी अधिकार/ हक/ हित/ दावा/ मांग नहीं है। समर्थक दस्तावेजों के बिना किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

कृपया लिफाफे पर [CN-BIH] अंकित करें।

दिनांक: 20/10/2025

लेक्सनेगोटियम एडवोकेट्स
ध्यान दें: सार्थक गोयल, जूनियर एसोसिएट
खसरा सं. 56/6/1, कुकरेजा फार्म के पास, जोनापुर, नई दिल्ली-110047
3-डी, रो हाउस सूर्य विहार अपार्टमेंट, डुंडाहेरा गुरुग्राम, हरियाणा-122016
टेलीफोन: +91 124 400 8001 | +91 7017 35 9432 |

विशेष नामांकन के दिन ही अनंत सिंह ने कर दिया कांड

मुश्किल में फंसेंगे छोटे सरकार ?

पटना. बाहुबली अनंत सिंह ने मंगलवार को मोकामा विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया. अनंत सिंह सफेद रंग की थार में सवार होकर नामांकन दाखिल करने पहुंचे. इससे पहले उन्होंने 25,000 समर्थकों के लिए भोज का आयोजन किया. बताया जा रहा है कि समर्थकों के लिए एक लाख से ज़्यादा रसगुल्ले बनवाए गए थे. अनंत सिंह ने अपने आवास पर पूजा-अर्चना की और फिर थार गाड़ी में सवार होकर नामांकन के लिए रवाना हुए.

अब सवाल यह है कि 25,000 लोगों के इस भोज का खर्च चुनावी खर्च में शामिल होगा या नहीं? और अगर शामिल हुआ तो अनंत सिंह के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं.

ईसी ने तय किया खाने का खर्च- दरअसल, विधानसभा चुनाव में एक उम्मीदवार एक सीमा होती है. बिहार चुनाव में यह लिमिट 40 लाख रुपये है. साथ ही चुनाव आयोग ने खाने पीने से लेकर गाड़ियों के किराए तक को निर्धारित कर रखा है. कार्यकर्ताओं व समर्थकों को एक प्लेट पुरी-जलेबी खिलाने पर नेताजी के खाते में 50 रुपये जुड़ जाएंगे. बताया जा रहा है कि नामांकन के दिन ही अनंत सिंह ने 25 हजार लोगों को भोज करवाया है. जब पूरी-जलेबी का खर्च 50 रुपये है तो भोज में एक प्लेट का खर्च 100 रुपये से ज्यादा ही आया होगा. इस लिहाज से देखें तो 25 लाख रुपये से ज्यादा हो गए. इसके साथ नामांकन में गए गाड़ियों के काफिले पर भी अच्छा-खासा खर्च आया होगा. अब इस लिहाज से देखा जाए तो अनंत सिंह की लिमिट खत्म होने को है. जबकि अभी पूरा चुनाव प्रचार बाकी है. ऐसे में अनंत सिंह खर्च लिमिट से बाहर पहुंचना लाजमी है. यह बात चुनाव आयोग के संज्ञान में आती है तो उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं.

क्या कहता है जनप्रतिनिधि अधिनियम?- कोई भी उम्मीदवार जो चुनाव व्यय सीमा से अधिक खर्च करता है या गलत बयान देता है, उसे जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10 के तहत विधान सभा से अयोग्य घोषित किया जा सकता है और तीन साल के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है. चुनाव आयोग चुनावी खर्च की सीमा तय करता है. अब कोई भी विधायक विधानसभा चुनाव में 40 लाख रुपये तक खर्च कर सकता है. इस सीमा से ज़्यादा खर्च करने पर उसके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है.

पांच बार बन चुके हैं विधायक

2005 से अनंत मोकामा से लगातार पांच चुनाव जीत चुके हैं. पहले तीन बार जदयू के टिकट पर, फिर निर्दलीय के रूप में, और 2020 में राजद के टिकट पर. अनंत ने 2019 में कांग्रेस के टिकट पर नीलम को मुंगेर लोकसभा सीट से मैदान में उतारा था, लेकिन जेडीयू के ललन सिंह ने उन्हें 1.75 लाख वोटों के अंतर से हरा दिया था .